|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | Nama Kursus | **AL-TAFSIR** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 | Kod Kursus | AQS 2153 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3 | Nama Staf Akademik | NAMA : MARIYAH BT ISHAK  KELULUSAN & UNIVERSITI : IJAZAH SARJANA MUDA  PENGAJIAN AL-QURAN & SUNNAH  UNIVERSITI ISLAM ANTARABANGSA MALAYSIA  TAHUN BERGRADUAT : 2006 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | Rasional kursus dimasukkan dalam program ini | Kursus ini adalah untuk mentafsir dan menganalisis ayat-ayat al-Quran secara *tahlili* berpandukan kitab-kitab tafsir utama, menghubungkaitkan tafsiran al-Quran dengan isu-isu semasa berkaitan kemasyarakatan serta menjadikan al-Quran sebagai asas dan sumber rujukan. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | Semester dan tahun ditawarkan | SEMESTER 7 / TAHUN 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6 | Jumlah masa belajar pelajar (SLT)  K: Kuliah  T: Tutorial  P: Praktikal  L: Lain-lain | Aktiviti Pengajaran dan Pembelajaran | | | | | | | | | | | | | | | | | Jam Belajar Pelajar (SLT) (jam) | | | | | | | | | | |
| Pembelajaran Bersemuka | | | Tumpuan Pensyarah | | | | | | | Kuliah | | | | | | | 28 | | | | | 49 | | | | | |
| Aktiviti Tumpuan Pelajar (*SCA*) | | | | | | | Praktikal/Makmal | | | | | | |  | | | | |
| Tutorial | | | | | | | 21 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | |  | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Pembelajaran Kendiri | | | Tidak bersemuka atau Pembelajaran Tumpuan Pelajar(SCL) | | | | | | | Manual | | | | | | | 28 | | | | | 66.5 | | | | | |
| Tugasan | | | | | | | 10 | | | | |
| Modul | | | | | | |  | | | | |
| Kertas Kerja | | | | | | | 10 | | | | |
| Perbincangan Berkumpulan | | | | | | | 8.5 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | 10 | | | | |
| Ulangkaji | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Persediaan Penilaian | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| Penilaian Formal | | | Penilaian Berterusan | | | | | | | Kuiz | | | | | | |  | | | | | 4.5 | | | | | |
| Ujian | | | | | | | 2 | | | | |
| Makmal | | | | | | |  | | | | |
| Peperiksaan Akhir | | | | | | | | | | | | | | 2.5 | | | | |
| Lain-lain | | | | | | | | | | | | | |  | | | | |
| **Jumlah SLT** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **120** | | | | | |
| 7 | Nilai Kredit | 3 ( 2 + 1 )  3 jam kredit (2 jam kredit kuliah+1 jam kredit tutorial)  2 jam kuliah (2 jam kontak x 14 minggu) = 28  1 jam tutorial (1.5 jam kontak x 14 minggu) = 21    Jumlah jam kontak = 49 jam | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | Pra Syarat | Tiada | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | Objektif Kursus | 1.Menunjukkan kefahahaman tentang surah yasin mengikut tafsiran yang muktabar  2.Menerangkan iktibar cerita-cerita pengajaran yang terdapat dalam surah  3. mengaitkan akhlak-akhlak dalam surah yasin di dalam kehidupan seharian dan menerangkanya untuk diaplikasikan.  4. menghafaz surah yasin mengikut tajwid dan makhraj yang betul.  : | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | Hasil Pembelajaran (CLO) | Selepas menamatkan kursus ini, pelajar sepatutnya boleh:- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **No** | | **Hasil Pembelajaran (CLO)** | | | | | | | **Hasil Pembelajaran Program (PLO)** | | | | | | **Taksonomi dan Kemahiran Generik** | | | | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | |
| 1 | | Menunjukan kefahaman tentang sebab surah ini dinamakan dengan Surah Yasin dan kelebihannya | | | | | | | Plo1 | | | | | | C2 | | | | | | | | | Kuiz, Ujian, Tugasan, Peperiksaan Akhir | | | |
| 2 | | Menjelaskan tafsiran ayat-ayat di dalam surah Yasin mengikut kaedah tafsiran yang betul. | | | | | | | Plo1, plo5, plo8 | | | | | | C2,c4 | | | | | | | | |
| 3 | | Menyatakan balasan terhadap orang-orang yang mengingkari perintah Allah s.w.t. dan ganjaran bagi yang taat | | | | | | | Plo1, plo8 | | | | | | C2 | | | | | | | | |
| 4 | | Menghafaz Surah Yasin mengikut hukum tajwidnya serta mentafsirkan ayat-ayatnya.. | | | | | | | Plo4,plo5 | | | | | | C1,c2,c3 | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 | Pemindahan Kemahiran | **Kemahiran Yang Dibangunkan** | | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | | | | | | | | | | **Bentuk Penilaian** | | | | | | | | |
| Menganalisa serta memahami pengajaran, kehendak ayat dan penafsiran muktamad yang terdapat di dalam surah tersebut | | | | | | | Ujian, latihan, tugasan, projek berkumpulan, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | |
| Pengurusan masa | | | | | | | Menyelesaikan masalah | | | | | | | | | | | | Individu& berkumpulan | | | | | | | | |
| Kerja berpasukan | | | | | | | Projek berkumpulan | | | | | | | | | | | | Berkumpulan | | | | | | | | |
| Komunikasi | | | | | | | Tugasan, projek berkumpulan | | | | | | | | | | | | Berkumpulan | | | | | | | | |
|  | | | | | | | Soal jawab, perbentangan | | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | Pengajaran-Pembelajaran (PnP) dan Strategi Penilaian | **Pembelajaran & Pengajaran** | | | | | | | **Strategi Penilaian** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Kuliah | | | | | | | Soal-jawab, latihan, kuiz, ujian, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Tutorial/SCL/Pembelajaran Aktif | | | | | | | Soal-jawab dan perbincangan | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Syafawi | | | | | | | Pelajar menghafaz surah dengan betul,lancar dan fasih di hadapan para pengajar. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 13 | Sinopsis | Perbincangan mengenai tafsiran Surah Yasin, bermula daripada ayat 1 hingga 83. Tafsiran menyentuh beberapa aspek iaitu sebab penamaan surah dan kelebihan, analisis ayat dari aspek bahasa, balaghah dan *I`rab*nya, *Asbab al-Nuzul*, *Munasaba*t antara ayat-ayat, hukum syariat dan aspek pengajaran yang dapat diambil daripada ayat. Di samping itu, perbincangan turut menyentuh hukum-hukum tajwid bagi membantu kelancaran bacaan dan hafalan surah ini. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 14 | Mod Penyampaian | Kuliah, perbincangan, latihan, tugasan, soal jawab, pertemuan bersemuka dalam kelas | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | Jenis Dan kaedah Penilaian | Penilaian dibuat melalui Markah Kerja Kursus dan Peperiksaan Akhir.  Markah Kerja Kursus dinilai sepanjang semester melalui ujian, kuiz, perbentangan dan projek akhir manakala peperiksaan akhir dibuat secara formal di akhir semester dan dikendalikan oleh Unit atau Jawatankuasa Peperiksaan yang dilantik. Pecahan markah bagi kerja kursus dan peperiksaan akhir adalah seperti berikut:-   |  |  | | --- | --- | | **MARKAH KERJA KURSUS:-**  Kertas Kerja  Pembentangan  Hafazan  Ujian | **50%**  15%  5%  10%  20% | | **PEPERIKSAAN AKHIR** | **50%** | | **JUMLAH** | **100%** |   Kriteria prestasi penilaian summatif: Rujuk buku Peraturan Akademik Program Diploma KTD. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | Pemetaan Kursus Kepada Objektif Program (PEO) |  | PEO1 | | | | PEO2 | | | | | | *PEO3* | | | | | PEO4 | | | | | | | | | PEO5 | | |
| CO1 | ✓ | | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | |  | | |
| CO2 | ✓ | | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | | ✓ | | |
| CO3 | ✓ | | | |  | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | |  | | |
| CO4 | ✓ | | | | ✓ | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | | | ✓ | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 17 | Pemetaan Kursus Kepada Hasil Pembelajaran Program (PLO) |  | PLO1 | | | PLO2 | | PLO3 | | PLO4 | | | | PLO5 | | PLO6 | | | | | | PLO7 | | | PLO8 | | | PLO9 | |
| CO1 | ✓ | | |  | |  | |  | | | |  | |  | | | | | |  | | |  | | |  | |
| CO2 | ✓ | | |  | |  | |  | | | | ✓ | |  | | | | | |  | | | ✓ | | |  | |
| CO3 | ✓ | | |  | |  | |  | | | |  | |  | | | | | |  | | | ✓ | | |  | |
| CO4 |  | | |  | |  | | ✓ | | | | ✓ | |  | | | | | |  | | |  | | |  | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18 | Kandungan Kursus dan SLT  K: Kuliah  *SCA*: Tutorial/Praktikal  A : Lain-lain  PK: Pembelajaran kendiri  M: Minggu pembelajaran | **M** | **TAJUK** | | | | | | | | | | | | **K** | | | | | ***SCA*** | | | **A** | | | **PK** | | | **SLT** |
| 1  2 | Pengenalan Surah   * Sebab Penamaan dan kelebihan * Tema Surah   Ayat 1 hingga 12  (Al-Quran dan Rasul ) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 1-2 |
| 3 | Ayat 13 hingga 27  (Kisah Ashab Qaryah) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 3 |
| 4 | Ayat 28 hingga 32  (Kesimpulan Kisah Ashab Qaryah dan Azab kepada golongan yang mendustakan kerasulan) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 4 |
| 5 | Ayat 33 hingga 44  (Dalil Kekuasaan Allah dan Hari kebangkitan) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 5 |
| 6 | Ayat 45 hingga 47  (Pendirian Kuffar terhadap kekuasaan Allah dan belas rahmat Allah kepada makhluk-Nya) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 6 |
| 7 | Ayat 48 hingga 54  (Keingkaran Kuffar terhadap hari Kiamat dan penjelasan kepada kebenarannya) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 7 |
| 8 | Ayat 55 hingga 58  (Balasan Terhadap orang yang berbuat baik) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 8 |
| 9 | Ayat 59 hingga 68  (Balasan Terhadap orang yang berbuat dosa) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 9 |
| 10 | Ayat 69 hingga 76  (Kewujudan Allah dan keesaan-Nya serta Keistimewaan Rasul) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | .  1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 10 |
| 11 | Ayat 77 hingga 83  (Ketetapan hari kebangkitan) | | | | | | | | | | | | 2.3 | | | | | 1.75 | | | 5.9 | | | 9.95 | | | 11 |
| 12 | Bacaan dan hafalan | | | | | | | | | | | | 2.7 | | | | | 1.75 | | | 6.1 | | | 10.55 | | | 12,13,14 |
|  | JUMLAH JAM | | | | | | | | | | | | 28 | | | | | 21 | | | 71 | | | 120 | | | 14 |
|  | JUMLAH KREDIT | | | | | | | | | | | | **3** | | | | |  | | |  | | |  | | |  |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19 | Rujukan | **Rujukan Utama:**  Dr. Wahbah al-Zuhaili, (1991) *Al-Tafsir al-Munir Fi al-Aqidah Wa al-Syariah Wa al-Manhaj*. Beirut : Dar al – Fikr al-Ma’asir | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | Maklumat Tambahan | 1. Ibn Kathir, Abu al-Fida’, Ismail. (1991). *Tafsir al-Quran al-Azim*. Beirut : Dar al-Fikr 2. Al-Tabari, Muhammad Ibn Jarir. (1986). *Jami` al-Bayan wa Ta`wil li Ayi al-Quran*. Beirut : Dar al-Ma`rifah 3. Al-Qurtubi, Abu Abdullah Muhammad bin Ahmad (1963), *Al-Jami’ li Ahkam al-Quran*. Kaherah : Dar al-Kutub al-Misriyyah. 4. Al-Razi, Muhammad Ibn Umar Fakhr al-Din. (1994). *Mafatih al-Ghayb*. Beirut : Dar al-Fikr | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |